उत्तराखण्ड राज्य

देवभूमि उद्यमिता योजना

EDII

DUY- Media Coverage

FMDP- Cohort-1

2024-25

MEDIA COVERAGE

on 1 April 2003, with the mission to provide com- through a vast network of ECHS Polyclinics, ECHS Polyclinics consultation,

32 Faculty members selected for Faculty Mentor Development Program

Dehradun, July 9 (HTNS): The Higher Education Department of Uttarakhand has selected 32 professors and faculty members from higher educational institutions across the state for the inaugural Faculty Mentor Development Program. These educators will attend the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in Ahmedabad to gain insights into entrepreneurship from July 14 to 19.

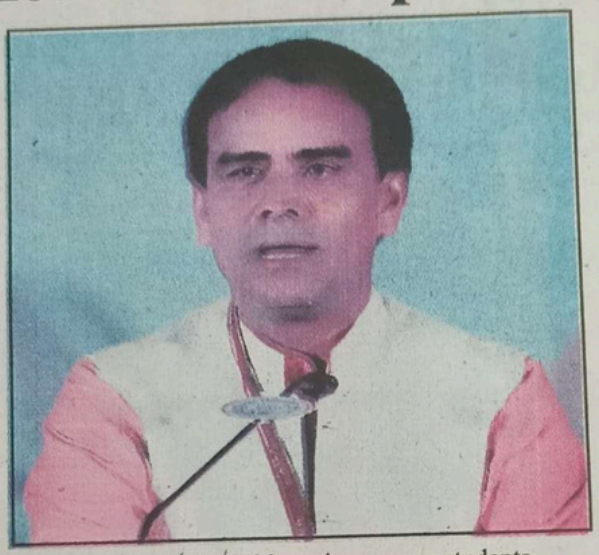

This initiative, part of Devbhoomi Udyamita Yojana, aims to foster entrepreneurship, start-ups, and innovation within the state's higher education institutions. The list of selected faculty members was officially released by the Higher Education Department.

Dr. Dhan Singh Rawat, Minister, Higher Education, extended his congratulations to the selected faculty members for faculty mentor development program. He expressed confidence that this training program would empower these faculty members to significantly enhance entrepreneurship and innovation among students.

Higher Education Secretary Shailesh Bagauli highlighted that the faculty members were chosen based on their GETT scores.

He noted that the program aligns with the National Education Policy 2020 and will equip faculty members to effectively mentor and inspire their students towards entrepreneurship.

Dr. Amit Kumar Dwivedi, Project Director of Devbhoomi Udyamita Yojana and Professor at EDII, shared that the training would cover various facets of entrepreneurship, enabling the faculty members to become influential mentors in their institutions.

Devbhoomi Udyamita Yojana (DUY) is a key initiative by the Higher Education Department of Uttarakhand, implemented in collaboration with EDII Ahmedabad. DUY aims to equip the youth of Uttarakhand with entrepreneurship skills and self-employment opportunities, promoting self-reliance and skill development across the state.

56

MEDIA COVERAGE

फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 32 प्राध्यापकों का चयन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के 32 प्राध्यापकों का चयन फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के पहले कोर्स के लिए किया गया है। इन चयनित प्राध्यापकों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में उद्यमिता की बारीकियां सीखने के लिए भेजा जाएगा।

इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार पहला कोहोर्ट 14 से 19 जुलाई 2024 तक अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता, स्टार्ट-अप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड द्वारा एक पत्र के माध्यम से फैकल्टी मेंटरशिप विकास कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित किए गए प्राध्यापकों की पहली सूची जारी की गयी है। शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि उद्यमिता के शीर्ष संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ये प्राध्यापक राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करने में मील का पत्थर साबित होंगे। सचिव, उच्च शिक्षा शैलेश बगोली ने बताया कि इन प्राध्यापको का चयन जीईटीटी स्कोर के आधार पर किया गया है।

■ जीईटीटी स्कोर के आधार पर चयन, ईडीआईआई अहमदाबाद में सीखेंगे उद्यमिता के गुर

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा कार्यक्रम

■ पहला कोहोर्ट 14 से 19 जुलाई 2024 तक अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है और यह प्रशिक्षण प्राध्यापक मेंटर्स को छात्रों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद करेगा ताकि वह अपने छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित कर सकें। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान में प्रो. डॉ.अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान, प्राध्यापकों को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं की गहन जानकारी दी जाएगी ताकि वे अपने संबंधित कलेजों में प्रभावी मेंटर बन छात्रों में उद्यमिता के गुण विकसित कर सकने में सहायक बन सकें।

देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल है जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा उत्तराखंड राज्य में लागू किया जा रहा है। डीयूवाई का उद्देश्य पूरे राज्य में युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से, युवाओं को उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

MEDIA COVERAGE

wage-treatment.php)

फैकल्टी मेंटरशिप प्रोग्राम के लिए 32 प्राध्यापकों का चयन

देहरादून: राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के 32 प्राध्यापकों का चयन फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए किया गया है। चयनित प्राध्यापकों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में उद्यमिता की बारीकियां सीखने के लिए भेजा जाएगा। प्रशिक्षण 14 से 19 जुलाई तक होगा।

देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता, स्टार्ट-अप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम किया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने फैकल्टी मेंटरशिप विकास कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित प्राध्यापकों की पहली सूची जारी की है। उच्च शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कोहोर्ट' के लिए चयनित प्राध्यापकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता के शीर्ष संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ये प्राध्यापक राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करने में बड़ा योगदान देंगे।

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रविधानों के अनुरूप किया जा रहा है और यह प्रशिक्षण प्राध्यापक मेंटर्स को छात्रों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद करेगा। (राब्यू)

MEDIA COVERAGE

छात्रों को उद्यमिता के प्रति प्रोत्साहित करेंगे शिक्षक

देहरादून। राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों को उद्यमिता के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षक अहम भूमिका निभाएंगे। इसके लिए राज्य के 32 शिक्षकों का अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में प्रशिक्षण शुरू हो गया है। प्रो .एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने यह जानकारी दी।

MEDIA COVERAGE

देहरादून। सोमवार • 15 जुलाई • 2024

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

■ प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत उत्तराखंड के विभिन्न संस्थानों में दो दिवसीय बूट कैंप होगा

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत छह दिवसीय आवासीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन आरम्भ योगाभ्यास के साथ अहमदाबाद में आरम्भ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत राज्य के विभिन्न संस्थानों में दो दिवसीय बूट कैंप का आयोजन कराया जायेगा।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष के पहले कोहार्ट का आयोजन आज (रविवार) से अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में प्रारंभ हो गया। आठ जुलाई को सयुंक्त निदेशक, उच्च शिक्षा ने 32 संकाय सदस्यों के कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये थे। इडीआईआई में प्रोफेसर और देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक, डॉ.अमित कुमार द्विवेदी, ने बताया कि इस छह दिवसीय कार्यक्रम में संकाय सदस्यों को इस प्रकार से तैयार किया जायेगा कि वह वापस जाकर अपने-अपने संस्थान में एक मेंटर के रूप में छात्रों के प्रथम संपर्क बिंदु बन सकें।

प्रशिक्षण के अंतर्गत नवाचार, उद्यम की मूलभूत जानकारी व राज्य व केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में और उन योजनाओं को अपने संस्थान को किस प्रकार लाभांन्वित कर सकें। उन्होंने बताया कि मेंटर

किस प्रकार छात्रों में नेतृत्व छमता का विकास करें, टीम निर्माण एवं संयोजन, क्रिएटिव थिंकिंग, डिजाईन थिंकिंग, बिजनस मडल कैनवास, बिजनेस प्लान, स्टार्टअप, इन्क्यूबेशन, फंडिंग तथा उद्यम अध्यापन की तकनीकी और छात्रों को उद्यम के प्रति कैसे प्रेरित करना है, इत्यादि पर विस्तृत कार्यशालाएं की जाएँगी।

देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी व सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, डॉ.दीपक कुमार पाण्डेय ने बताया कि योजना का उद्देश्य राज्य के विश्वविद्यालयों एवं राजकीय संस्थानों में नई शिक्षा निति-2020 के अनुरूप नवाचार एवं उद्यम का पारिस्थितंत्र विकसित करना है।

MEDIA COVERAGE

MONDAY 15 JULY 2024

Six-Day Faculty Mentor Development Program launched under Devbhoomi Udyamita Yojana

Ahmedabad/Dehradun, July 14 (HTNS): The first cohort of the Faculty Mentor Development Program (FMDP) 2024, part of the Devbhoomi Udyamita Yojana, kicked off today with a yoga session at the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad. Sponsored by the Higher Education Department of the Uttarakhand Government, the program aims to prepare faculty members to become entrepreneurship mentors in their respective institutions.

Dr. Amit Kumar Dwivedi, EDII Professor and Project Director of Devbhoomi Udyamita Yojana, emphasized that the six-day residential program will equip faculty members with essential skills in innovation, entrepreneurship and government schemes. Participants will also learn leadership, team building, creative thinking, business model development, and startup incubation.

Dr. Deepak Kumar Pandey, Assistant Director,Higher Education Department, UK Govt and Nodal Officer, Devbhoomi Udyamita Yojana, highlighted that this initiative aligns with the New Education Policy 2020 to foster an innovation and entrepreneurship ecosystem in state universities and government institutions.

The Joint Director, Higher Education, had issued guidelines for participation on July 8, ensuring a structured approach to training.

Post-training, a two-day boot camp will be organized across various state institutions to further this entrepreneurial mission.

MEDIA COVERAGE

First FMDP Cohort concludes, 32 New Faculty Mentors Ready

EDII DG Dr. Sunil Shukla awards certificates to Faculty Members

Dehradun, July 19 (HTNS): The inaugural cohort of the 6-day Faculty Mentor Development Program (FMDP) under the Devbhoomi Udyamita Yojana concluded at the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII, presented participation certificates to the faculty members from various colleges under the Higher Education Department.

On the final day, faculty members presented a 20-point agenda aimed at fostering entrepreneurship in their institutions, detailing plans to establish entrepreneur clubs and engage with local entrepreneurs.

Dr. Amit Kumar Dwivedi, Professor and Project Director of the Devbhoomi Udyamita Yojana, emphasized that the training equips faculties with the skills necessary to create a supportive environment for entrepreneurship within higher education institutions.

Dr. Deepak Kumar Pandey, State Nodal Officer of the Devbhoomi Udyamita Yojana (DUY), also interacted with participants online, lauding the role of faculty mentors in promoting entrepreneurship in the state.

This year, 32 faculty members were trained in the first cohort, with two more cohorts to follow. Each year, EDII trains 90 faculty members from the Higher Education Department under this program. The FMDP, now in its second year, included discussions on the DUY portal, psychometric tests, mentoring, and identifying startup opportunities, alongside visits to Gandhi Ashram and Akshardham temple.

Key speakers included Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII, Dr. Satya Ranjan Acharya, Dr. Amit Kumar Dwivedi, Dr. Pankaj Bharti, Dr. Rajiv Sharma, Dr. Baishali Mitra, and Snehal Desai and other faculty from EDII.

MEDIA COVERAGE

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तुत किया 20 सूत्री एजेंडा

देहरादून। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद में चल रहे 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। संस्थान के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों के फैकल्टी सदस्यों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्यों ने संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक 20 सूत्री एजेंडा प्रस्तुत किया। फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम में एजेंडे के तहत चरणबद्ध तरीके से छात्रों में उद्यमिता की मानसिकता विकसित पर जोर दिया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए संकाय सदस्यों को कौशल से लैस करना है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहले कोहोर्ट में 32 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है। इस दौरान देवभूमि उद्यमिता योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार पांडेय, डॉ. सत्य रंजय आचार्य, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा आदि शामिल रहे। संवाद

MEDIA COVERAGE

Dehradun | Dehradun, 20 July, 2024 | www.garhwalpost.in | Garhwal Post | 7

Successful Completion of 1st FMDP Cohort at EDII, Ahmedabad

Higher Education Faculty to lead Entrepreneurship Development in U'khand

REPORTER SUNIL SONKER

MUSSOORIE, 19 Jul: The inaugural cohort of the 6-day Faculty Mentor Development Programme (FMDP) under the Devbhoomi Udyamita Yojana concluded successfully at the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad. Dr Sunil Shukla, Director General, EDII, presented participation certificates to the faculty members from various colleges under the Higher Education Department.

On the final day, faculty members presented a 20-point agenda aimed at fostering entrepreneurship in their institutions, detailing plans to establish entrepreneur clubs and engage with local entrepreneurs. Dr Amit Kumar Dwivedi, Professor and Project Director of the Devbhoomi Udyamita Yojana, emphasised that the training equips faculties with the skills necessary to create a supportive environment for entrepreneurship within higher education institutions.

Dr Deepak Kumar Pandey, State Nodal Officer of the Devbhoomi Udyamita Yojana (DUY), also interacted with participants online, lauding the role of faculty mentors in promoting entrepreneurship in the state. This year, 32 faculty members were trained in the first cohort, with two more cohorts to follow. Each year, EDII trains 90 faculty members from the Higher Education Department under this program. The FMDP, now in its second year, included discussions on the DUY portal, psychometric tests, mentoring, and identifying startup opportunities, alongside visits to Gandhi Ashram and Akshardham temple. Key speakers included Dr Sunil Shukla, Director General, EDII, Dr Satya Ranjan Acharya, Dr Amit Kumar Dwivedi, Dr Pankaj Bharti, Dr Rajiv Sharma, Dr Baishali Mitra, and Snehal Desai and other faculty from EDII.

Convocation Ceremony of

CrowdStrike says single

MEDIA COVERAGE

हिन्दु

उद्यमिता के प्रति प्रेरित करेंगे प्रियदर्शन

सल्ट। फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके डिग्री कॉलेज तल्ला सल्ट राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक प्रियदर्शन छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेंगे। बताया कि महाविद्यालय में आयोजित होने वाले बूट कैंप एवं ईडीपी कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं के साथ स्थानीय युवा उद्यमियों को भी जोड़ा जाएगा। डिग्री कॉलेज तल्ला सल्ट के प्राचार्य प्रो. बीएम पांडेय सहित अन्य ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

MEDIA COVERAGE

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

उत्तराखंड को मिले 32 नए फैकल्टी मेंटर, उद्यमिता विकास को देंगे बढ़ावा

सुनील सोनकर

हरिद्वार/मसूरी (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में चल रहे 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का पहला कोहोर्ट शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्थान की तरफ से डॉ. सुनील शुक्ल, महानिदेशक, ईडीआईआई ने उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों के फैकल्टी सदस्यों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में सभी फैकल्टी सदस्यों ने अपने संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक 20 सूत्री एजेंडा प्रस्तुत किया। इस एजेंडे में उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह वो चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने को लेकर कार्य करेंगे। इस बीस सूत्री एजेंडे में कॉलेजों में एन्टरप्रेन्योर क्लबों की स्थापना से लेकर आस पास के उद्यमियों से मुलाकात तक के कार्यक्रम शामिल हैं। डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, प्रोफेसर एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को कौशल से लैस करना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहले को होर्ट में 32 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है तथा दो और को होर्ट में सदस्यों को प्रशिक्षित किया जायेगा। बता दें कि ईडीआईआई हर साल उच्च शिक्षा विभाग के 90 फैकल्टी सदस्यों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का यह दूसरा साल है। कार्यक्रम के दौरान देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार पांडेय ने भी प्रतिभागियों से ऑनलाइन बातचीत की और राज्य में उद्यमिता के प्रसार में फैकल्टी मेंटर की भूमिका की सराहना की। छह दिवसीय इस कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्यों के साथ डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग और स्टार्ट-अप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। इसी क्रम में एक दिन गांधी आश्रम और अक्षरधाम की यात्रा सहित अन्य विविध गतिविधियाँ आयोजित की गयी। छह दिवसीय इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ल, महानिदेशक, ईडीआईआई, डॉ. सत्य रंजय आचार्य, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. बैशाली मित्रा और श्री स्नेहल देसाई एवं ईडीआईआई से अन्य फैकल्टी शामिल रहे।

MEDIA COVERAGE

नैनीताल | सोमवार • 22.07.2024

amarujala.com/nainital

अमर उजाला 04

डॉ. हरीश जोशी बने फैकल्टी मेंटर

कोटाबाग। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में संचालित छह दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. हरीश चंद्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग प्रशिक्षण प्राप्त कर अब उत्तराखंड में फैकल्टी मेंटर बनेंगे। प्रशिक्षण में विशेष रूप से यह सिखाया गया कि किस तरह चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विकसित की जा सकती है। डॉ. जोशी ने बताया कि उत्तराखंड से 32 फैकल्टी सदस्यों को प्रशिक्षण के लिए चुना गया था। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला, निदेशक प्रो. अमित त्रिवेदी, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग प्रो. नवीन भगत आदि ने डॉ. जोशी को उनके चयन पर बधाई दी है। संवाद

MEDIA COVERAGE

उत्तराखण्ड
उत्तर उजाला, जाहिद हबीबी, 22 जुलाई 2024

उद्यमिता का प्रशिक्षण लेकर लौटे डा. हरीश

कालाढूंगी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में संचालित 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के लिए डिग्री कॉलेज कोटाबाग के सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र डा. हरीश चंद्र जोशी प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस आ गए हैं। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने को लेकर यह प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को कौशल से लैस करना है। उत्तराखंड से 32 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया था। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में इस प्रशिक्षण में डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ला, निदेशक प्रोफेसर अमित त्रिवेदी, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग प्रो. नवीन भगत एवं कोटाबाग जनप्रतिनिधियों ने डा. जोशी को बधाई दी है।

MEDIA COVERAGE

पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया है।

डा. हरीश जोशी बने फैकल्टी मेंटर उद्यमिता विकास को देंगे बढ़ावा

संस, जागरण ● कालाढूंगी : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में आयोजित फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग के अर्थशास्त्र के शिक्षक डा. हरीश चंद्र जोशी का फैकल्टी मेंटर पद पर चयन हुआ है। प्राचार्य प्रो. नवीन भगत ने उन्हें बधाई दी।

शिक्षा सप्ताह में पढ़ाई के साथ नवाचारों को जानेंगे शिक्षक व बच्चे

जासं ● हल्द्वानी : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू हुए चार वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

MEDIA COVERAGE

निरतर भगवान शकर का पूजा-अचना का

डॉ अभय श्रीवास्तव एवं डॉ कंचन सहगल बने फैकल्टी मेंटर

अमर हिन्दुस्तान

पोखरी। डॉ अभय श्रीवास्तव एवं डॉ कंचन सहगल बने फैकल्टी मेंटर, छात्रों को सिखायेंगे उद्यमिता के गुर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नागनाथ-पोखरी के वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ अभय श्रीवास्तव एवं जंतु विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ कंचन सहगल ने उच्च शिक्षा विभाग दारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत, भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद गुजरात से फैकल्टी मेंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह आयोजन उत्तराखण्ड राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है।इसके अंतर्गत सर्वप्रथम महाविद्यालय द्वारा नामित प्राध्यापक/ प्राद्यापिका को भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तत्पश्चात ये प्राध्यापक महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं तथा क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए फैकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करते हुए उन्हें उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के साथ ही उद्यमिता से जुड़े विभिन्न आयामों तथा सम्भावनाओं की जानकारी देंगें। इस योजना का लक्ष्य युवाओं में बेरोज़गारी की समस्या को कम करना तथा उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना है। इसके फलस्वरूप उत्तराखण्ड से युवाओं का पलायन रुकेगा तथा साथ ही स्थानीय रोजगार से उत्तराखण्ड के उत्पादों को एक नयी पहचान मिलेगी।

प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के पहलुओं जैसे DUY पोर्टल, मेंटरिंग, साइकोमेट्रिक टेस्ट , स्टार्टअप आदि पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। समस्त गतिविधियाँ परियोजना अधिकारी डॉ अमित कुमार द्विवेदी , विषय विशेषज्ञ डॉ सत्य आचार्य, डॉ पंकज भारती, डॉ राजीव शर्मा , अभिषेक नंदन के निर्देशन में संपादित हुई।

प्रशिक्षण के समापन पर सभी फैकल्टी मेंटर को EDII के महानिदेशक डॉ॰ सुनील शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो॰ पंकज पंत एवं अन्य प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्राध्यापक डॉ॰ अभय श्रीवास्तव एवं कंचन सहगल को बधाई देते हुएआशा व्यक्त की कि इनके द्वारा महाविद्यालय में उद्यमिता का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

MEDIA COVERAGE

पीजी कालेज के प्राध्यापकों ने लिया प्रशिक्षण

पोखरी (एसएनबी)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नागनाथ-पोखरी के वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डा. अभय श्रीवास्तव एवं जन्तु विज्ञान की प्राध्यापिका डा. कंचन सहगल ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात से फैकल्टी मेंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय द्वारा नामित प्राध्यापक-प्राध्यापिका को भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों को भी प्रशिक्षण दिया गया। अब प्राध्यापक अध्यनरत छात्र-छात्राओं तथा क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए फैकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करते हुए उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करने के साथ उद्यमिता से जुड़े विभिन्न आयामों तथा संभावनाओं की जानकारी देंगे।

इस योजना का लक्ष्य युवाओं में बेरोजगारी की समस्या को कम कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इससे पलायन रुकेगा तथा स्थानीय रोजगार से उत्तराखंड के उत्पादों को एक नई पहचान मिलेगी। प्रशिक्षण में मेंटरिंग, साइकोमेट्रिक टेस्ट, स्टार्टअप आदि पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के समापन पर सभी फैकल्टी मेंटर को महानिदेशक डा. सुनील शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पंकज पंत एवं प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्राध्यापक डा. अभय श्रीवास्तव एवं कंचन सहगल को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके द्वारा महाविद्यालय में उद्यमिता का सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

MEDIA COVERAGE

डॉ. मुकेश ने प्राप्त किया उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

बनबसा (चंपावत)। राजकीय महाविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने गुजरात से छह दिवसीय उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में 14 जुलाई से 19 जुलाई तक हुआ। इसमें उत्तराखंड के 32 फैकल्टी को प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि चरणबद्ध तरीकों से विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता की मानसिकता को विकसित कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना प्रशिक्षण का उद्देश्य था। संवाद

MEDIA COVERAGE

उद्यमिता योजना का प्रशिक्षण लिया

कोटद्वार/एसएनबी। देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड के अंतर्गत उत्तराखंड प्रदेश सरकार और भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात की संयुक्त कार्य योजना में उद्यमिता विकास के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात में किया गया।

इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड राज्य से उच्च शिक्षा विभाग से 32 प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी यमकेश्वर गढ़वाल से असिस्टेंट प्रोफेसर डा. उमेश त्यागी (इतिहास विभाग)ने इस प्रशिक्षण मे भाग लिया। इस प्रशिक्षण मे उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न आयामो पर गहनता से प्रकाश डाला गया तथा विभिन्न धरातलीय और मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण आयोजित कर प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास के लिए तैयार किया गया।

डा. उमेश त्यागी ने अपने महाविद्यालय से प्रतिभाग लेते हुए प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत वह उत्तराखंड मे युवाओं को उद्यमिता विकास के लिए प्रोत्साहित करेंगे तथा धरातलीय मनोवैज्ञानिक स्तर पर कार्य करते हुए उद्यमिता विकास के लिए अपना हर संभव प्रयास करेंगे, जिससे प्रदेश का युवा उद्यमिता में प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्रदान कर प्रदेश को नई दिशा दें।

MEDIA COVERAGE

देवभूमि उद्यमिता योजना की फैकल्टी मेंटर बनीं डा. पूजा

रुद्रप्रयाग (एसएनबी)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण के लिए चयनित प्राध्यापक बीबीए विभाग डा. पूजा रानी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य से 32 फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया था।

बीते दिनों भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण में फैकल्टीज को विशेष रूप से यह सिखाया गया कि किस तरह चरणबद्ध तरीके से छात्रों में उद्यमिता की मानसिकता विकसित की जाए ताकि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा सकता है। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला, निदेशक प्रो. अमित त्रिवेदी एवं प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग डा. आशुतोष त्रिपाठी एवं समस्त स्टाफ ने डा. पूजा रानी को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। प्राचार्य डा. त्रिपाठी ने कहा कि यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार को लेकर प्रेरित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्राध्यापक बीबीए विभाग डा. पूजा रानी ने बताया कि उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं तक पहुंचकर उन्हें उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए तैयार करना कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है। कहा कि प्रशिक्षण से सीखे अनुभवों को बच्चों के विकास पर उपयोग किया जाएगा ताकि उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा सके।

सार्वजनिक सूचना - एजेन्सी सेवासमाप्ति

ICICI Bank आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

विद्यार्थी परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन

MEDIA COVERAGE

डॉ छाया सिंह व डॉ० नीरज असवाल ने उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से छः दिवस का फैकल्टी मेण्टरशिप का प्राप्त किया प्रशिक्षण

संजय राजपूत बुलन्द वाणी

पौड़ी गढ़वाल, थलीसैंण। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में उच्चशिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड की ओर द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत डॉ० छाया सिंह, असि० प्रो० वनस्पति विज्ञान और डॉ० नीरज असवाल, असि० प्रो० भूगोल ने उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से छः दिवस का फैकल्टी मेण्टरशिप प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस वर्ष इस योजना के तहत 90 फैकल्टी मेण्टर्स को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य है, जो तीन चरणों में पूरा होगा। उद्यमिता विकास संस्थान में प्रथम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 14 जुलाई से 19 जुलाई 2024 तक किया गया। इस शिविर में 32 फैकल्टी मेण्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षित मेण्टर छात्र-छात्राओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करेंगें। देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखण्ड सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है जिसका उद्देश्य युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है, जिससे बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याओं को दूर किया जा सके।

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखो, विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक

MEDIA COVERAGE

डॉ. प्रकाश फोंदणी बने फैकल्टी मेंटर, युवाओं के उद्यमिता विकास को देंगे बढ़ावा

संजय राजपूत बुलन्द वाणी

पौड़ी गढ़वाल, पैठाणी। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में 14 से 19 जुलाई 2024 तक छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से पहले चरण में 32 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीयूबाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट, और स्टार्टअप अवसरों की पहचान

जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। डॉ. प्रकाश फोंदणी ने बताया कि इस प्रशिक्षणशाला का मुख्य उद्देश्य रोजगार के घटते अवसरों में किस तरह हम कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोजगार उपलब्ध कराये बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि छोटे-छोटे बिजनेस आईडिया के माध्यम से किस तरह एक बड़ा ब्रांड तैयार किया जा सकता है जो कि ग्लोबल लेबल पर लोगो की आवश्यकताओ की पूर्ति कर सके और स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता हैं ' भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ल, परियोजना निदेशक प्रो. अमित दुबेदी, प्रो. दीपक पाण्डेय, राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य, प्रो. डी. एस. नेगी सहित समस्त महाविद्यालय परिवार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने डॉ. फोंदणी को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

MEDIA COVERAGE

सफलता :डॉ .प्रकाश फोंदणी बने फैकल्टी मेंटर

अमर हिन्दुस्तान

श्रीनगर। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में 14 से 19 जुलाई 2024 तक छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास पैठाणी पौड़ी गढ़वाल के प्राचार्य प्रो.डी.एस.नेगी के मार्गदर्शन में वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ.प्रकाश फोंदणी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करना एवं महाविद्यालयों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना है। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से पहले चरण में 32 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीपूवाई पोर्टल पर चर्चा,साइकोमेट्रिक टेस्ट,और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। डॉ.प्रकाश फोंदणी ने बताया कि इस प्रशिक्षणशाला का मुख्य उद्देश्य रोजगार के घटते अवसरों में किस तरह हम कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोजगार उपलब्ध कराये बल्कि अन्य

युवाओं के उद्यमिता विकास को देंगे बढ़ावा

लोगों को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है। अथक प्रयास से हमारा महाविद्यालय उद्यमिता का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए भी चयनित हुआ है जिसमे आयोजित होने वाले स्वरोजगारपरक बूट कैंप एवं ईडीपी कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय युवा उद्यमियों को भी जोड़ा जाएगा। जो कि ग्लोबल लेवल पर लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके और स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ल,परियोजना निदेशक प्रो.अमित दुबेदी, प्रो.दीपक पाण्डेय,राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य, प्रो.डी.एस.नेगी सहित समस्त महाविद्यालय परिवार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने डॉ.फोंदणी को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

MEDIA COVERAGE

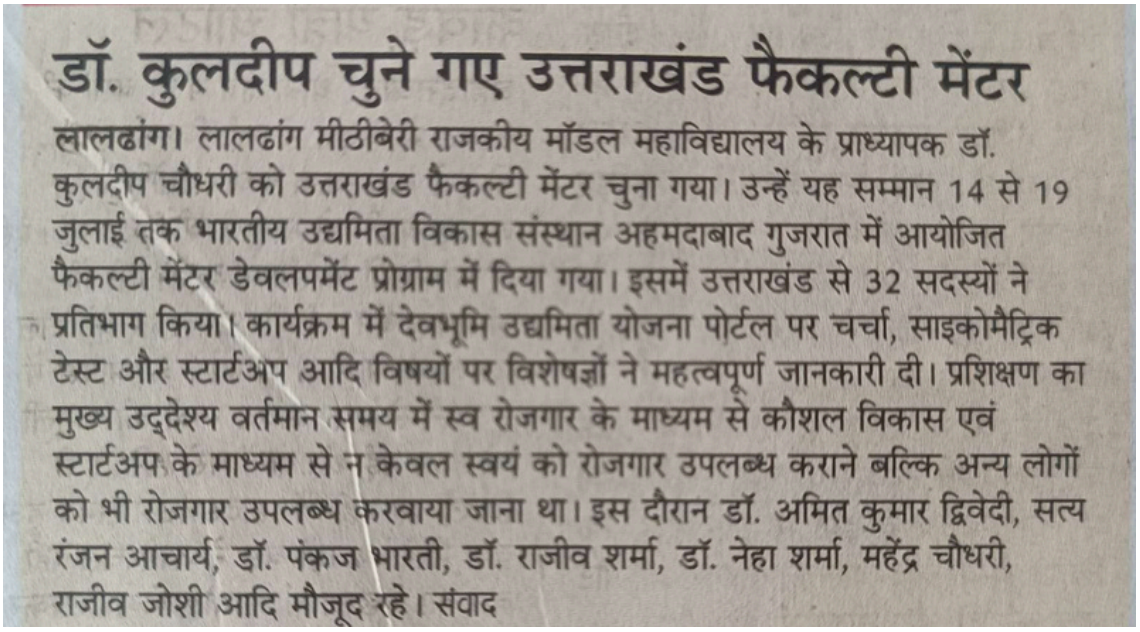

डॉ. कुलदीप चुने गए उत्तराखंड फैकल्टी मेंटर

लालढांग। लालढांग मीठीबेरी राजकीय मॉडल महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. कुलदीप चौधरी को उत्तराखंड फैकल्टी मेंटर चुना गया। उन्हें यह सम्मान 14 से 19 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद गुजरात में आयोजित फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में दिया गया। इसमें उत्तराखंड से 32 सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना पोर्टल पर चर्चा, साइकोमैट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप आदि विषयों पर विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में स्व रोजगार के माध्यम से कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोजगार उपलब्ध कराने बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवाया जाना था। इस दौरान डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, सत्य रंजन आचार्य, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. नेहा शर्मा, महेंद्र चौधरी, राजीव जोशी आदि मौजूद रहे। संवाद

MEDIA COVERAGE

उद्यमिता योजना का प्रशिक्षण लिया

कोटद्वार/एसएनबी। देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड के अंतर्गत उत्तराखंड प्रदेश सरकार और भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात की संयुक्त कार्य योजना में उद्यमिता विकास के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात में किया गया।

इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड राज्य से उच्च शिक्षा विभाग से 32 प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी यमकेश्वर गढ़वाल से असिस्टेंट प्रोफेसर डा. उमेश त्यागी (इतिहास विभाग)ने इस प्रशिक्षण मे भाग लिया। इस प्रशिक्षण मे उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न आयामो पर गहनता से प्रकाश डाला गया तथा विभिन्न धरातलीय और मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण आयोजित कर प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास के लिए तैयार किया गया।

डा. उमेश त्यागी ने अपने महाविद्यालय से प्रतिभाग लेते हुए प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत वह उत्तराखंड मे युवाओं को उद्यमिता विकास के लिए प्रोत्साहित करेंगे तथा धरातलीय मनोवैज्ञानिक स्तर पर कार्य करते हुए उद्यमिता विकास के लिए अपना हर संभव प्रयास करेंगे, जिससे प्रदेश का युवा उद्यमिता मे प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्रदान कर प्रदेश को नई दिशा दें।

MEDIA COVERAGE

डॉ. हिमानी और डॉ. विद्या बने फैकल्टी मेंटर

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में 14 से 19 जुलाई तक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था। इसमें इंदिरा प्रियदर्शिनी वाणिज्य महिला महाविद्यालय के गृह विभाग से डॉ. विद्या कुमारी और अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. हिमानी ने बतौर फैकल्टी मेंटर प्रतिभाग किया। दोनों फैकल्टी मेंटर महिला महाविद्यालय में छात्राओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित और जागरूक करेंगी। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि पहले प्रशिक्षण में 32 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। प्राचार्य प्रो. शशि पुरोहित और सभी प्राध्यापकों ने दोनों फैकल्टी मेंटर को बधाई दी है। संवाद

MEDIA COVERAGE

डा. हिमानी और डा. विद्या बने संकाय संरक्षक

जासं • हल्द्वानी : देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग से डा. विद्या कुमारी और अर्थशास्त्र विभाग से डा. हिमानी ने प्रतिभाग किया। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डा. अमित कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए संकाय सदस्यों को कौशलयुक्त करना है। पहले प्रशिक्षण में 32 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी प्रो. शशि पुरोहित ने दोनों के चयन व उनके प्रशिक्षण के लिए बधाई दी।

MEDIA COVERAGE

डा. हिमानी और डा. विद्या बने फैकल्टी मेंटॉर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड की अधीन देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान

देवभूमि उद्यमिता योजना पोर्टल पर चर्चा

अहमदाबाद गुजरात में छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 14 से 19 जुलाई 2024 तक आयोजित किया गया था। इस फैकल्टी मेंटॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण में इंदिरा प्रियदर्शनी वाणिज्य महिला महाविद्यालय हल्द्वानी के गृह विज्ञान विभाग से डा. विद्या कुमारी और अर्थशास्त्र विभाग से डा. हिमानी ने प्रतिभाग किया। इस योजना का लक्ष्य युवाओं में बेरा. जगारी की समस्या को कम कर, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इससे पलायन रुकेगा तथा स्थानीय रोजगार से उत्तराखंड के उत्पादों को एक नई पहचान मिलेगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में मेन्टर्स को देवभूमि उद्यमिता योजना पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी प्रदान की। साथ ही मेंटर्स को इस बात के लिए भी प्रेरित किया गया कि वह अपने महाविद्यालय में जाकर छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के प्रति प्रोत्साहित करेंगे तथा आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे। इसमें बीस सूत्रीय एजेंडे की चर्चा भी की गई। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डा.अमित कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए संकाय सदस्यों को कौशलयुक्त करना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहले प्रशिक्षण में 32 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। ईडीआईआई हर साल उच्च शिक्षा विभाग के 90 फैकल्टी सदस्यों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। प्राचार्य प्रो. शशि पुरोहित एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने डा.विद्या कुमारी और डा. हिमानी को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई दी।

MEDIA COVERAGE

श्रद्धा वाणिज्य संकाय की फैकल्टी मेंटर चुनी गईं

अल्मोड़ा। एसएसजे परिसर के वाणिज्य संकाय में कार्यरत सहायक प्राध्यापिका श्रद्धा शर्मा ने भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में आयोजित फैकल्टी मेंटर विकास प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

श्रद्धा को प्रमाण पत्र देते आयोजक। स्रोत:स्वयं

उन्होंने कहा कि वह संकाय में फैकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करेंगी। कहा कि योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। संवाद

MEDIA COVERAGE

साथ ही धमकी दे रहा है जो करना है कर लो हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। बजट केवल छलावा है।

उद्यमिता योजना के डॉ नरेश कुमार बने फैकल्टी मेंटर

किच्छा(उद संवाददाता)।उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 6 दिवसीय फैकैल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद गुजरात में पांच दिवसीय कार्य क्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड शासन द्वारा विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के 32 प्राध्यापकों का चयन किया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय किच्छा उधम सिंह नगर से अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ० नरेश कुमार ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। डॉ० नरेश कुमार ने अवगत कराया कि उक्त प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को केन्द्र में रखकर चरणबद्ध तरीके से उनके मध्य उद्यमिता की मानसिकता विकसित करना और उन्हें सफल उद्यमी बनने में आने वाली कठिनाइयों को फैकल्टी मेंटर तथा उद्यमी मेंटर के सहयोग से दूर करना है।

विकसित भारत बनाने में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना एक मील का पत्थर साबित होगी। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० राजीव रतन के दिशा निर्देशन एवं उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ० प्रकाश चन्द भट्ट के सहयोग से अनूकूल माहौल तैयार किया जाएगा। भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद गुजरात में आयोजित प्रशिक्षण काल में स्टार्टअप अवसरों की पहचान उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा साइकोमैट्रिक टेस्ट मेंटरिंग एवं डीयूवीआई पोर्टल पर चर्चा आदि पहलूओं पर भारतीय उद्यमिता संस्थान के महानिदेशक प्रो० सुनील शुक्ला एवं परियोजना अधिकारी डॉ० अमित कुमार द्विवेदी तथा डॉ० अभिषेक नंदन की उपस्थिति एवं निर्देशन में प्रशिक्षण संपन्न किया गया।डॉ० नरेश कुमार द्वारा बताया गया कि यदि इस योजना को वर्तमान परिदृश्य में देखें तो समाज का सरकारी नौकरी की तरफ रूझान को परिवर्तित कर उद्यमिता की ओर ले जाना है, जिससे युवा पीढ़ी में नौकरी लेने वाले की जगह नौकरी देने वाले की सोच का विकास हो सके और युवा पीढ़ी विकसित भारत में अपना पूर्ण योगदान दे सकें

MEDIA COVERAGE

स्वरोजगार के लिए विद्यार्थियों को करेंगे प्रेरित : डॉ. चौहान

टनकपुर (चंपावत)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रशिक्षण लेकर लौटे नामित डिग्री कालेज के भूगोल के प्राध्यापक डा. महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करना है। डॉ. चौहान ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से छात्र-छात्राओं स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा। संवाद

MEDIA COVERAGE

युवाओं को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

भास्कर समाचार सेवा

लोहाघाट। जिले के सर्वाधिक छात्र संख्या वाले स्वामी विवेकानंद राजकीय पीजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार एवं गृहविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. सोनली कार्तिक गुजरात के अहमदाबाद में आईआईडीआई से गहन प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। अब इनके द्वारा छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों

● भारतीय उद्यमिता संस्थान गुजरात से प्रशिक्षण लेकर लौटे कॉलेज के दो प्राध्यापक

का दोहन कर उन में उद्यमिता की मानसिकता पैदा करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रशिक्षण से लौटने के बाद दोनों प्राध्यापकों ने प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें प्रशिक्षण के दौरान हुए अनुभवों को साझा किया।

प्राचार्या ने दोनों को संस्थान की ओर से जारी प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि राजकीय सेवाओं में सीमित होते जा रहे सेवा के अवसरों के देखते हुए युवाओं को सम्मानजनक ढंग से जीवनयापन के अवसर उपलब्ध करवाने के किए स्वरोजगार ही एकमात्र माध्यम है। इसमें दोनों प्रशिक्षित प्राध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने इस नई शुरुआत के लिए दोनों प्राध्यापकों को शुभकामनाएं दीं।

प्राध्यापकों को संस्थान की ओर से प्रमाण पत्र देती प्राचार्या।

MEDIA COVERAGE

प्रोफेसर महेंद्र सिंह चौहान के नामित होने पर महाविद्यालय परिवार ने दी बधाई

■ अहमदाबाद में आयोजित देवभूमि उद्यमिता योजना के फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम में शामिल हुए थे प्रोफेसर चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में चल रहे छह दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने के पश्चात उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामित डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान प्रोफेसर भूगोल विभाग राजकीय महाविद्यालय पहुंच गए हैं।

टनकपुर आने के पश्चात उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सभी फैकल्टी सदस्यों ने अपने संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक 20 सूत्री एजेंडा प्रस्तुत किया। इस एजेंडे में उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह वो चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विक. सित करने को लेकर कार्य करेंगे। इस बीस सूत्री एजेंडे में कॉलेजों में एन्टरप्रेन्योर क्लबों की स्थापना से लेकर आस पास के उद्यमियों से मुलाकात तक के कार्यक्रम शामिल हैं।

डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रोजगार के घटते अवसरों में किस प्रकार हम रोजगार कौशल विकास, स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोजगार से जोड़े अपितु विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य स्थानीय लोगों को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए। उद्यम, उद्यमी और उद्यमिता के मार्ग में देशकाल परिस्थिति वश आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को कैसे दूर किया जाए। यह इस प्रशिक्षण कार्यालय का मुख्य आकर्षण रहा। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बिजनेस विचारों के माध्यम से किस प्रकार एक बड़ा ब्रांड खड़ा किया जा सकता है

बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को कौशल से लैस करना है। बता दें कि ईडीआईआई हर साल उच्च शिक्षा विभाग के 90 फैकल्टी सदस्यों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का यह दूसरा साल है। राज्य में उद्यमिता के प्रसार में फैकल्टी मेंटर की भूमिका की सराहना की छह दिवसीय इस कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्यों के साथ डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग और स्टार्ट-अप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। छह दिवसीय इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना अधिकारी प्रोफेसर अमित कुमार द्विवेदी, डॉक्टर अभिषेक नंदन के निर्देशन में सुचारू रूप से संपन्न हुई। प्रोफेसर डॉक्टर अनुपमा तिवारी प्राचार्य, एवं देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी प्रोफेसर एस के कटियार ने प्रोफेसर डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई दी है।

फैकल्टी मेंटर डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान ने वर्तमान में स्थानीय आवश्यकता को देखते हुए रोजगार को बढ़ावा देने एवं आत्म निर्भर बनने पर बल दिया।

MEDIA COVERAGE

विद्यार्थियों में उद्यम कौशल का होगा विकास : डा. सचिन

संसू, जागरण ● कांडा : महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना संचालित की जा रही है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डा. सचिन अग्रवाल ने फैकल्टी मेंटर डेवेलपमेंट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम 14 से 19 जुलाई तक अहमदाबाद में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम से लौटने के बाद डा. सचिन ने बताया कि राज्य के 32 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने साप्ताहिक प्रशिक्षण दिया। जिसका उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को उद्यमिता तथा स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। संस्थान के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला, परियोजना निदेशक प्रो. अमित द्विवेदी के निर्देशन में उद्यमिता तथा स्टार्टअप से जुड़े विशेषज्ञों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर, नए स्टार्टअप विकसित करने को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षित प्राध्यापक अपने महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, युवाओं के लिए बूट कैम्प लगाएंगे। उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन कर मेंटर के रूप में कार्य करेंगे।

MEDIA COVERAGE

प्राध्यापिका ऋतु ने लिया प्रशिक्षण

पाटी। पाटी डिग्री कॉलेज में तैनात प्राध्यापिका ऋतु ने फेकल्टी मेंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रशिक्षण लिया है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम अहमदाबाद में 14 से 19 जुलाई तक चला। प्राचार्य आरके पांडेय ने बताया कि प्रशिक्षण में 32 प्राध्यापक शामिल हुए।

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि इसका मकसद विद्यार्थियों में उद्यमिता की मानसिकता विकसित करना है। बताया कि ऋतु अब फेकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करेंगी

MEDIA COVERAGE

डिग्री कॉलेज पाटी की ऋतु बनी फैकल्टी मेंटर

पाटी (चंपावत)। डिग्री कॉलेज पाटी की सहायक प्राध्यापिका ऋतु फैकल्टी मेंटर बन गई है। उनकी इस उपलब्धि पर खुशी की लहर है। 14 से 19 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात फैकल्टी मेंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम में उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। प्रशिक्षण के बाद उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उद्यमिता से जुडे विभिन्न आयामों, संभावनाओं आदि के बारे में बताया गया। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है। संवाद

MEDIA COVERAGE

जोशी, डॉ. रवींद्र नाथ पाठक, अनूप सिंह बिष्ट, कमल जोशी आदि थे। संवाद

युवाओं को मिलेगा उद्यम कौशल का प्रशिक्षण

25 जुलाई 2024

बागेश्वर। राजकीय स्नातक महाविद्यालय कांडा के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. सचिन अग्रवाल ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम में उद्यमिता और स्टार्टअप से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों ने स्वरोजगार के अवसर और स्टार्टअप विकसित करने के बारे में बताया। कार्यक्रम में 32 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे अपने महाविद्यालय में युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर सकें। प्राचार्य डॉ. मधुलिका पाठक ने इस पहल की सराहना की है। संवाद

MEDIA COVERAGE

4 दैनिक जागरण हल्द्वानी, 25 जुलाई, 2024

विद्यार्थियों में उद्यम कौशल का होगा विकास : डा. सचिन

संसू, जागरण ● कांडा : महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना संचालित की जा रही है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डा. सचिन अग्रवाल ने फैकल्टी मेंटर डवेलपमेंट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम 14 से 19 जुलाई तक अहमदाबाद में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम से लौटने के बाद डा. सचिन ने बताया कि राज्य के 32 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने साप्ताहिक प्रशिक्षण दिया। जिसका उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को उद्यमिता तथा स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। संस्थान के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला, परियोजना निदेशक प्रो. अमित द्विवेदी के निर्देशन में उद्यमिता तथा स्टार्टअप से जुड़े विशेषज्ञों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर, नए स्टार्टअप विकसित करने को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षित प्राध्यापक अपने महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, युवाओं के लिए बूट कैम्प लगाएंगे। उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन कर मेंटर के रूप में कार्य करेंगे।

MEDIA COVERAGE

डॉ. मनोज और डॉ. सोनाली फेकल्टी मेंटर बने

लोहाघाट। पीजी कॉलेज में तैनात डॉ.मनोज और डॉ.सोनाली फेकल्टी मेंटर बने हैं। दोनों प्राध्यापकों ने अहमदाबाद में प्रशिक्षण लिया। यहां पहुंचने पर दोनों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि14 से 19 जुलाई प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में लोहाघाट से वनस्पति विज्ञान और गृह विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज और डॉ. सोनाली कार्तिक को मेंटर चुना गया।

MEDIA COVERAGE

राजकीय पी. जी. कॉलेज के माध्यम से युवाओं को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

पी. जी. कॉलेज के दो प्रवक्ता भारतीय उद्यमिता संस्थान गुजरात से लौटे प्रशिक्षण लेकर

फोटो-दोनों प्राध्यापकों को संस्थान की ओर से प्रमाण पत्र देती प्राचार्या

पुष्कर सिंह राजपूत
जनाभास लोहाघाट

जिले के सर्वाधिक छात्र संख्या वाले स्वामी विवेकानन्द राजकीय पी. पी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार एवं एवं गृहविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. सोनली कार्तिक गुजरात के अहमदाबाद में आईआईडीआई से गहन प्रशिक्षण लेकर लौट आये है अब इनके द्वारा छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़ने इसथानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन कर उन में उद्यमिता की मानसिकता पैदा करने का प्रयास किया जायेगा।

प्रशिक्षण से लौटने के बाद दोनों प्राध्यापकों ने प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें प्रशिक्षण के दौरान हुए अनुभवों को संझा किया प्राचार्या ने दोनों को संस्थान की ओर से जारी प्रमाण पत्र देते हुए कहा की राजकीय सेवाओं में सीमित होते जा रहे सेवा के अवसरों के देखते हुए युवाओं को सम्मानजनक ढंग से जीवन यापन के अवसर उपलब्ध करवाने के किए रोजगार ही एक मात्र माध्यम है जिसमें दोनों प्रशिक्षित प्राध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जाने वाली इस नई शुरुआत के लिए दोनों प्राध्यापकों को शुभकामनाएँ दी।

MEDIA COVERAGE

न्यूज डायरी

डॉ. मुनेश कुमार पाठक बने मेंटर

गणाई गंगोली(पिथौरागढ़।) गणाई गंगोली महाविद्यालय के डॉ. मुनेश कुमार पाठक देवभूमि उद्यमिता योजना के फैकल्टी मेंटर बन गए हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में 14 से 19 जुलाई तक आयोजित फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण के लिए राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली से राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुनेश कुमार पाठक ने हिस्सा लिया था। इसमें राज्य से 32 प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया था। इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड राज्य की देवभूमि उद्यमिता योजना पोर्टल, साइकोमेट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप आदि विषयों के बारे में विषय विशेषज्ञों ने जानकारी दी थी। संवाद

MEDIA COVERAGE

एक नजर

छात्र–छात्राओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करेंगे श्री प्रियदर्शन

प्राइम वॉइस संवाददाता/ गोविन्द रावत

देहरादून। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 19 जुलाई 2024 तक 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्ट, अल्मोड़ा के प्राचार्य प्रो. बी.एम. पांडेय के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक प्रियदर्शन ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करना एवं महाविद्यालय में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना है। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्रथम कोहॉर्ट में 32 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय– विशेषज्ञों ने चर्चा की। प्रियदर्शन ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से किस प्रकार स्वरोजगार उपलब्ध कराएं तथा अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है। महाविद्यालय में आयोजित होने वाले स्वरोजगारपरक बूट कैंप एवं ईडीपी कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं के साथ स्थानीय युवा उद्यमियों को भी जोड़ा जाएगा। जो कि ग्लोबल लेवल पर लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके और रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित हो सके। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला , परियोजना निदेशक प्रो. अमित द्विवेदी, राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्ट के प्राचार्य प्रो. बी.एम. पांडेय सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने श्री प्रियदर्शन को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

MEDIA COVERAGE

राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्टछात्र-छात्राओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करेंगे श्री प्रियदर्शन

सल्ट गोविन्द रावत ,247सुपरफास्ट डिजिटल संस्करण

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 19 जुलाई 2024 तक 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्ट, अल्मोड़ा के प्राचार्य प्रो. बी. एम.पांडेय के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक प्रियदर्शन ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करना एवं महाविद्यालय में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना है। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्रथम कोहॉर्ट में 32 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा, साइकोमेट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय- विशेषज्ञों ने चर्चा की। प्रियदर्शन ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से किस प्रकार स्वरोजगार उपलब्ध कराएं तथा अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है। महाविद्यालय में आयोजित होने वाले स्वरोजगारपरक बूट कैंप एवं ईडीपी कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं के साथ स्थानीय युवा उद्यमियों को भी जोड़ा जाएगा।

MEDIA COVERAGE

गढ़निनाद
जन जन की आवाज

डॉ० प्रतापसिंह बिष्ट बने फैकल्टी मेंटर, महाविद्यालय में उद्यमिता विकास को देगें गति

21 July 2024 उत्तराखंड, विविध न्यूज़, शिक्षा जगत

Please click to share News

टिहरी गढ़वाल 21जुलाई 2024। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड के अधीन देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत 6 दिवसीय भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में दिनाँक 14 जुलाई 2024 से 19 जुलाई 2014 तक आयोजित विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों से प्रतिभागी फैकल्टी मेंटर डेवपलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण में राजकीय महाविद्यालय चन्द्रबदनी (नैखरी) टिहरी गढ़वाल से समाजशास्त्र के बरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ० प्रतापसिंह बिष्ट ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

डॉ० प्रतापसिंह बिष्ट ने अवगत कराया की प्रशिक्षण में छात्र और छात्राओं को केन्द्र बिन्दु में रखकर चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने का लक्ष्य और उदेश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० महन्थ मौर्य के दिशानिर्देशन में निश्चित किया जायेगा जो देवभूमि उद्यमिता योजना के अनुरूप होगा। प्रशिक्षणशाला का उदेश्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता के लिये अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को कौशल से लैस किया जायेगा ।

भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित प्रशिक्षणकाल में स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया, साइकोमैट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग और डीयूवायी पोर्टल पर चर्चा आदि पहलुओं पर भारतीय उद्यमिता संस्थान के अहमदाबाद (गुजरात) महानिदेशक प्रो० सुनील शुक्ला एवं परियोजना अधिकारी डॉ० अमित कुमार द्विवेदी, डॉ० अभिषेक नन्दन की उपस्थिति एवं निर्देशन में किया गया।

डॉ० प्रतापसिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षणशाला का मुख्य उदेश्य रोजगार के घटते अवसरों में किस प्रकार स्वरोजगार, कौशल विकास, स्टार्टअप के माध्यम से न केवल रोजगार प्राप्त करें बल्कि अन्य उद्यमियों को भी रोजगार हेतु प्रेरित करेगें। देवभूमि उद्यमिता योजना के 20 सूत्री कार्यक्रम में महाविद्यालयों में उद्यमिता क्लबों की स्थापना करना एवं आस-पास (नैखरी, जामणीखाल, रौड़धार, अजंनीसैंण, पौडीखाल, गौमुख, रणसोलीधार, हिण्डोलाखाल आदि कस्बों में उद्यमियों से सम्पर्क करना भी सम्मिलित है जिनसे अवसर निकालकर छात्र-छात्राओं को स्थानीय उद्यमियों के अनुभवों को साझा करवाना है।

MEDIA COVERAGE

उत्तराखण्ड / Leave a Comment

डॉ. हरीश चन्द्र जोशी बने फैकल्टी मेंटर, उद्यमिता विकास को देंगे बढ़ावा।

कालाढूंगी/कोटाबाग। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में संचालित 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के लिए चयनित डॉक्टर हरीश चन्द्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस आ गए हैं।

प्रशिक्षण में विशेषतः यह प्रशिक्षण दिया गया कि किस तरह चरणबद्ध तरीके से छात्रों के बीच उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने को लेकर कार्य करेंगे। इस प्रशिक्षणशाला का उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को कौशल से लैस करना है। उत्तराखंड से 32 फैकल्टी सदस्यों को

MEDIA COVERAGE

गढ़निनाद
जन जन की आवाज

उच्च शिक्षण संस्थान के छात्र/छात्राओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करेंगे प्रोफेसर ए पी दुबे तथा प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार

22 July 2024 उत्तराखंड, विविध न्यूज़, शिक्षा जगत

Please click to share News

ऋषिकेश 22 जुलाई 2024। उत्तराखंड सरकार के देव भूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश ,श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अंजनी प्रसाद दुबे तथा प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में 14 से 19 जुलाई तक संचालित फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रतिभाग किया ।

उत्तराखंड के युवाओं को उद्यमिता तथा स्वरोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ,अहमदाबाद के साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ला एवं परियोजना निदेशक प्रोफेसर अमित द्विवेदी के निर्देशन में उद्यमिता तथा स्टार्टअप से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों ने उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर तथा नए स्टार्टअप विकसित करने के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया ।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्राप्त इस जानकारी का लाभ बूट कैम्प तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं तक पहुंच कर उन्हें उद्यमिता और स्वरोजगार के प्रति तैयार करना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एन के जोशी तथा परिसर के निदेशक प्रोफेसर एम एस रावत ने देव भूमि उद्यमिता योजना की सराहना की है।

MEDIA COVERAGE

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT INSTITUTE OF INDIA
Faculty Mentor Development Programme
[14 - 19 July, 2024]

Departr
Higher I
Govt. of U

अभय श्रीवास्तव एवं कंचन सहगल बने फैकल्टी मेंटर, छात्रों को सिखायेंगे उद्यमिता के गुर

July 22, 2024 Uttarakhand Himalaya Bureau

पौड़ी, 22 जुलाई (राष्ट्र). राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नागनाथ-पोखरी के वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ0 अभय श्रीवास्तव एवं जंतु विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ0 कंचन सहगल ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत , भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद गुजरात से फैकल्टी मेंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
यह आयोजन उत्तराखण्ड राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है।इसके अंतर्गत सर्वप्रथम महाविद्यालय द्वारा नामित प्राध्यापक/ प्राध्यापिका को भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तत्पश्चात् ये प्राध्यापक महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं तथा क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए फैकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करते हुए उन्हें उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के साथ ही उद्यमिता से जुड़े विभिन्न आयामों तथा सम्भावनाओं की जानकारी देंगे। इस योजना का लक्ष्य युवाओं में बेरोज़गारी की समस्या को कम करना तथा उन्हें स्वरोज़गार हेतु प्रेरित करना है। इसके फलस्वरूप उत्तराखण्ड से युवाओं का पलायन रुकेगा तथा साथ ही स्थानीय रोज़गार से उत्तराखण्ड के उत्पादों को एक नयी पहचान मिलेगी।
प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के पहलुओं जैसे DUY पोर्टल, मेंटरिंग, साइकोमेट्रिक टेस्ट , स्टार्टअप आदि पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। समस्त गतिविधियाँ परियोजना अधिकारी डॉ0 अमित कुमार द्विवेदी , विषय विशेषज्ञ डॉ0 सत्य आचार्य, डॉ0 पंकज भारती, डॉ0 राजीव शर्मा , अभिषेक नंदन के निर्देशन में संचालित हुई।प्रशिक्षण के समापन पर सभी फैकल्टी मेंटर को EDII के महानिदेशक डॉ0 सुनील शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।
महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 पंकज पंत एवं अन्य प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्राध्यापक डॉ0 अभय श्रीवास्तव एवं कंचन सहगल को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि इनके द्वारा महाविद्यालय में उद्यमिता का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

MEDIA COVERAGE

Listen

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड की अधीन देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद गुजरात में 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दिनांक 14 जुलाई 2024 से 19 जुलाई 2024 तक आयोजित किया गया था।

इस फैकल्टी मेंटॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण में इंदिरा प्रियदर्शनी राजकीय स्नातकोत्तर वाणिज्य महिला महाविद्यालय हल्द्वानी के गृह विज्ञान विभाग से डॉ विद्या कुमारी और अर्थशास्त्र विभाग से डॉ हिमानी ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

इस योजना का लक्ष्य युवाओं में बेरोजगारी की समस्या को कम कर, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इससे पलायन रुकेगा तथा स्थानीय रोजगार से उत्तराखंड के उत्पादों को एक नई पहचान

MEDIA COVERAGE

तीर्थ चेतना

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज लक्सर में उद्यमिता के गुर सीखेंगे छात्र

Tirth Chetna July 23, 2024 0 शिक्षा

Spread the love

Post Views: 815

ईडीआईआई अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौटी डा. कनुप्रिया को सौंपी गई जिम्मेदारी

तीर्थ चेतना न्यूज

लक्सर। उत्तराखंड सरकार की महत्वकांक्षी योजना देवभूमि उद्यमिता विकास को अब गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, लक्सर के माध्यम से भी धरातल पर उतारा जाएगा। इसका जिम्मा कॉलेज की अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका डा. कनुप्रिया को सौंपा गया है।

उत्तराखंड सरकार राज्य के गवर्नमेंट डिग्री और पीजी कॉलेज के माध्यम से देवभूमि उद्यमिता विकास योजना को धरातल पर उतार रही है। इस काम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद मदद कर रहा है।

MEDIA COVERAGE

RUDRAPRYAG POST

डॉ पूजा रानी को मिली देवभूमि उद्यमिता योजना की फैकल्टी मेंटर की जिम्मेदारी, छात्रों को स्वरोजगार के लिए करेंगी प्रेरित,

by Rohit Dimri — July 22, 2024 In उत्तराखण्ड, रुद्रप्रयाग

Share on Facebook | Share on Whatsapp | Share on Twitter

रुद्रप्रयाग। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित फेकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण के लिए चयनित प्राध्यापक बीबीए विभाग डॉ पूजा रानी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य से 32 फेकल्टी सदस्यों ने प्रतिभाग किया था।

MEDIA COVERAGE

नई खबरें July 24, 2024

देवभूमि उद्यमिता योजना में महाविद्यालय बिथ्याणी से डॉ उमेश त्यागी ने किया प्रतिभाग

ब्यू रो रिपोर्ट कोटद्वार

देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड के अंतर्गत उत्तराखंड प्रदेश सरकार और भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात की संयुक्त कार्य योजना में उद्यमिता विकास हेतु 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 14 जुलाई से 19 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात में किया गया। इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड राज्य से उच्च शिक्षा विभाग से 32 प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी यमकेश्वर पौड़ी गढ़वाल से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ उमेश त्यागी (इतिहास विभाग)ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण में उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न आयामों पर गहनता से प्रकाश डाला गया तथा विभिन्न धरातलीय और मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण आयोजित कर प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास हेतु तैयार किया गया। डॉ उमेश त्यागी ने अपने महाविद्यालय से प्रतिभाग लेते हुए प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत वह उत्तराखंड में युवाओं को उद्यमिता विकास हेतु प्रोत्साहित करेंगे तथा धरातलीय मनोवैज्ञानिक स्तर पर कार्य करते हुए उद्यमिता विकास हेतु अपना हर संभव प्रयास करेंगे। जिससे प्रदेश का युवा उद्यमिता में प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्रदान कर प्रदेश को नई दिशा दें।

MEDIA COVERAGE

डॉ.चौहान मेंटर बने

टनकपुर। टनकपुर डिग्री कॉलेज में भूगोल के प्रोफेसरडॉ.चौहान मेंटर बनेडॉ.चौहान मेंटर बनेडॉ.चौहान मेंटर बनेडॉ.चौहान मेंटर बने डॉ.एमएस चौहान ने भारतीय...

● हिन्दुस्तान टीम,चम्पावत

Wed, 24 Jul 2024 09:45 PM

हमें फॉलो करें

टनकपुर डिग्री कॉलेज में भूगोल के प्रोफेसर डॉ.एमएस चौहान ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान गुजरात में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। डॉ.चौहान अब मेंटर बन कर छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेंगे। डॉ.चौहान के मेंटर बनने पर प्राचार्य डॉ़ अनुपमा तिवारी, देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ़ एसके कटियार आदि ने खुशी जताई है।

यह हिन्दुस्तान अखबार की ऑटेमेटेड न्यूज फीड है, इसे लाइव हिन्दुस्तान की टीम ने संपादित नहीं किया है।

MEDIA COVERAGE

उत्तराखंड | चम्पावत | लोहाघाट

डॉ. मनोज कुमार एवं डॉ. सोनाली कार्तिक बने फैकल्टी मेंटर, महाविद्यालय में उद्यमिता विकास को करेंगें प्रोत्साहित

गिरीश बिष्ट · July 23, 2024 · 1 min read

लोहाघाट। डॉ. मनोज कुमार एवं डॉ.सोनाली कार्तिक बने फैकल्टी मेंटर, महाविद्यालय में उद्यमिता विकास को करेंगें प्रोत्साहित

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड़ के अधीन देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवपलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में दिनाँक 14 जुलाई 2024 से 19 जुलाई 2014 तक सम्पन्न हुआ जिसमें विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों से 32 प्राध्यापकों नें प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट (चम्पावत) से वनस्पति विज्ञान एवं गृह विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ0 मनोज कुमार एवं डॉ0 सोनाली कार्तिक ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। उन्होने अवगत कराया की प्रशिक्षण में छात्र और छात्राओं के बीच चरणबद्ध तरीके से उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने के विभिन्न विधियों पर चर्चा की गयी। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता के दिशानिर्देशन में अब दोनों प्राध्यापक महाविद्यालय में उद्यमिता विकास को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रोत्साहित करेंगे जो देवभूमि उद्यमिता योजना के अनुरूप होगा।

भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित प्रशिक्षणकाल में स्टार्टअप अवसरों की पहचान, मेंटरिंग और डीयूवायी पोर्टल आदि पहलुओं पर चर्चा की गयी जिनका आयोजन भारतीय उद्यमिता संस्थान के महानिदेशक प्रो0 सुनील शुक्ला एवं परियोजना अधिकारी डॉ0 अमित कुमार द्विवेदी, डॉ0 अभिषेक नन्दन की उपस्थिति एवं निर्देशन में किया गया। डॉ0 मनोज कुमार एवं डॉ0 सोनाली कार्तिक ने बताया कि इस प्रशिक्षणशाला का मुख्य उदेश्य है कि किस प्रकार रोजगार के घटते अवसरों में स्वरोजगार, कौशल विकास, स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। देवभूमि उद्यमिता योजना के 20 सूत्री कार्यक्रम में महाविद्यालयों में उद्यमिता क्लबों की स्थापना करना, छात्रों के बीच बूट कैम्प, उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का आयोजन आदि सम्मिलित है जिनसे प्रभावित होकर छात्र- छात्राएं उद्यमिता के क्षेत्र में कदम बढा सकेगें।

MEDIA COVERAGE

FEATURED General Latest News pithoragarh pp uttarakhand

राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली में डॉ मुनेश कुमार पाठक बने देवभूमि उद्यमिता योजना के फैकल्टी मैंटर।

July 25, 2024

Listen to this

एनएचएल नेटवर्क।

गणाई गंगोली।राजकीय महाविद्यालय भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में दिनांक 14 जुलाई 2024 से 19 जुलाई 2024 तक आयोजित फैकल्टी मैंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रशिक्षण के लिए राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली से चयनित डॉ मुनेश कुमार पाठक , सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

उत्तराखंड राज्य से 32 फैकल्टी सदस्यों ने इस प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद(गुजरात) में इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड राज्य की देवभूमि उद्यमिता योजना (DUY) पोर्टल पर चर्चा, साइकोमैट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप आदि विषयों के बारे में विभिन्न विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में रोज़गार के घटते अवसरों में किस प्रकार से स्वरोजगार के माध्यम से कौशल विकास,एवं स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोज़गार उपलब्ध कराएं बल्कि अन्य लोगों को भी रोज़गार उपलब्ध कराया जाये। पहाड़ी राज्य होने के कारण इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य से नवयुवकों के पलायन को भी रोकना है। देवभूमि उद्यमिता योजना के समस्त कार्यक्रम गतिविधियां परियोजना अधिकारी डॉ अमित कुमार द्विवेदी के दिशा निर्देशन में सम्पन्न हुई। विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण देने हेतु श्री सत्य रंजन आचार्य, डॉ पंकज भारती, डॉ राजीव शर्मा, डॉ नेहा शर्मा, श्री महेन्द्र चौधरी, राजीव जोशी, स्नेहल देसाई एवं रश्मि के द्वारा व्याख्यान दिया गये। प्रशिक्षण समापन होने पर सभी फैकल्टी मैंबर को ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सिद्धेश्वर सिंह सहित महाविद्यालय परिवार ने डॉ पाठक को उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। डॉ पाठक ने कहा की देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड को सफल और सुचारू रूप से संचालित करने हेतु एक कार्य योजना तैयार कर ली गई है जिसमे सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराया जायेगा, 02 दिवस का बूट कैंप का आयोजन और 12 दिवस का ईडीपी कैंप का भी आयोजन करना प्रस्तावित है । प्राचार्य के द्वारा आशा व्यक्त की गई कि इनके द्वारा महाविद्यालय में उद्यमिता का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

Post Views: 18

Share This News

Advertisement

MEDIA COVERAGE

देवभूमि उद्यमिता योजना की दी जानकारी

लालढांग : राजकीय माडल महाविद्यालय मीठीबेरी में उद्यमिता से रोजगार के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान देवभूमि उद्यमिता योजना के कालेज के नोडल अधिकारी डा. कुलदीप चौधरी ने योजना के बारे में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों को विस्तृत से समझाया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अर्चना गौतम की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान प्राध्यापक डा. सुनील कुमार, डा. अरविंद वर्मा, आशुतोष कुमार, डा. सुमन पांडे, डा. सुनीता, शशिधर उनियाल एवं विद्यार्थी संगीता, साक्षी ,मंजिली, शुभांगी, अंकिता, ईशा, गुलफाम मौजूद रहे। (संसू)

MEDIA COVERAGE

वर्तमान समय में स्वरोजगार द्वारा हम अनेक लोगों को रोजगार दे सकते हैं: प्राचार्या प्रो0 शशि पुरोहित

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

नैनीताल, हलद्वानी। इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय इस दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शशि पुरोहित द्वारा अध्यक्षता की गई। उन्होंने कहा कि आप लोगों को आगे बढ़ने का एक अवसर मिला है, क्योंकि वर्तमान समय में स्वरोजगार द्वारा हम अनेक लोगों को रोजगार दे सकते हैं। हमें अपने अंदर जो एक कौशल का गुण छुपा है, इसको बाहर निकलना होगा जिससे कि हम आत्मनिर्भर बन सके और स्वरोजगार को भी बढ़ावा दें। महाविद्यालय की देवभूमि उद्यमिता योजना इकाई की नोडल नोडल अधिकारी डॉ हिमानी, तथा प्रशिक्षित मैटर डॉक्टर विद्या एवं रेखा ने छात्रों को देवभूमि उद्यमिता योजना कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा महाविद्यालय में आयोजित होने वाले आगामी बूट कैंप में अधिक से अधिक प्रतिभागिता करने के लिए कहा गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया गया साथ ही छात्रों को अपने आसपास की महिलाओं को भी इस योजना से जोड़ने के लिए जागरूक किया गया।

MEDIA COVERAGE

करियर काउंसलिंग कार्यशाला में दिया स्वरोजगार का गुरु मंत्र

भास्कर समाचार सेवा

- राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ में मनाया गया संस्कृत दिवस

रामगढ़ (नैनीताल)। राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ नैनीताल में संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. माया शुक्ला ने वैदिक साहित्य से लेकर लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित प्राचीन ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए उनसे नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की अपील की। साथ ही संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार तथा पुनर्जीवित करने का आह्वान भी किया।

प्राचार्य प्रो. नगेंद्र त्रिवेदी ने संस्कृत साहित्य में छिपे विपुल ज्ञान संपदा की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अपने जीवन में सद्गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बोलते हुए स्नातक पंचम सेमेस्टर की छात्रा पायल रावत ने कहा की चारित्रिक उत्थान का एकमात्र माध्यम संस्कृत भाषा है। संस्कृत दिवस के साथ-साथ महाविद्यालय में करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें समाजशास्त्र के प्राध्यापक हरेश राम ने छात्र-छात्राओं को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक करियर की समस्त संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर हिमांशु बिष्ट, गणेश बिष्ट, प्रेम भारती, डॉ. निर्मला रावत आदि मौजूद रहे।